राजकीय महाविद्यालय दाड़लाघाट, सोलन
हिमाचल प्रदेश

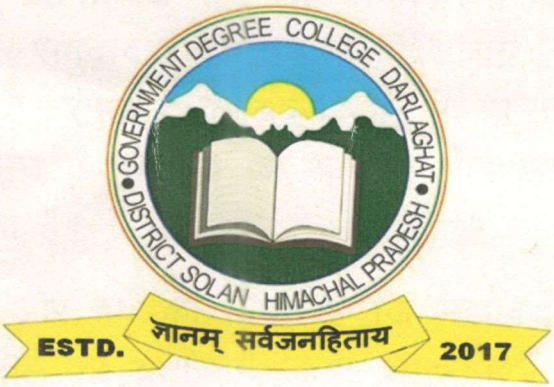

वार्षिक प्रतिवेदन

सत्र 2018–2019

8 अप्रैल, 2019

मुख्य अतिथि

प्रोफ़ेसर रोशन लाल शर्मा

अधिष्ठाता,
सामाजिक विज्ञान एवं भाषा संकाय
केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला हि०प्र०

प्रस्तुतकर्ता

डॉ० जनेश कपूर

प्राचार्य,
राजकीय महाविद्यालय
दाड़लाघाट, सोलन,
हिमाचल प्रदेश।

राजकीय महाविद्यालय दाड़लाघाट
जिला सोलन हि०प्र०
वार्षिक प्रतिवेदनः सत्र 2018–2019

सम्माननीय मुख्यातिथि महोदय, श्री (प्रो०) रोशन लाल शर्मा जी, अन्य अतिथिगण, अध्यापक–अभिभावक संघ की कार्यकारिणी के सदस्य, मीडिया बन्धु और उपस्थित छात्र समुदाय; राजकीय महाविद्यालय, दाड़लाघाट के प्रथम वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर में समस्त महाविद्यालय परिवार एवम् केन्द्रीय छात्र संघ के सदस्यों की ओर से आप सभी का हार्दिक स्वागत एवम् अभिनन्दन करता हूँ।

हमारे लिए यह गर्व और हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय द्वारा पहली बार वार्षिक वितरण समारोह का आयोजन किया जा रहा है और इस शुभ अवसर पर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला हिमाचल प्रदेश के सामाजिक विज्ञान एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता, प्रोफ़ेसर श्री रोशन लाल शर्मा हमारे मध्य मुख्य अतिथि के रूप में विराजमान है। प्रोफ़ेसर शर्मा अंग्रेजी एवं यूरोपीयन भाषाएं संभाग के विभागाध्यक्ष होने के साथ विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक भी हैं। प्रो० शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ विसकांसिन, अमेरिका में 'सीनियर फुलब्राइट फैलो' रहे हैं, जो इनकी व्यक्तिगत उपलब्धि होने के साथ–साथ हमारे प्रदेश के लिए भी गर्व का विषय है। ये 10 से अधिक पी०एच०डी० शोधार्थियों का शोध–निर्देशन कार्य भी कर चुके हैं एवम् इनके द्वारा लिखित 50 से अधिक शोध–पत्र प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवम् अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में छप चुके हैं। डॉ० शर्मा विभिन्न विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ पैनल के सदस्य भी हैं और हि०प्र० विश्वविद्यालय की, स्नातक स्तर की 'न्यू विस्टास', 'अंडर द स्पॉटलाईट' व 'रेजिंग द् कर्टेन' जैसी पाठ्यपुस्तकों का संपादन कार्य भी इन्होने किया है। एक वृतिशील कवि, अनुवादक एवम् प्रख्यात नाट्यमंचक व्यक्तित्व के रूप में भी आप जाने जाते हैं।

अब मैं मुख्यातिथि की स्वीकृति से राजकीय महाविद्यालय दाड़लाघाट का सत्र 2018–2019 से संबंधित वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रहा हूँ।

महाविद्यालय परिचय

राजकीय महाविद्यालय दाड़लाघाट, हिमाचल प्रदेश के सोलन जिला में स्थित एक सह–शिक्षण संस्थान है। उच्च शिक्षा को सर्वव्यापी बनाने के उद्देश्य से यह महाविद्यालय उस समय अस्तित्व में आया जब 23 मई 2017 ई० को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा इससे सम्बन्धित अधिसूचना जारी की गई। वर्तमान में यह शिमला–बिलासपुर–कांगड़ा राष्ट्रीय उच्चमार्ग 205 पर दाड़लाघाट बस स्टैंड से तकरीबन 1 किलोमीटर दूर, एक निजी भवन में संचालित किया जा रहा है। हालांकि महाविद्यालय के संस्थापन कार्य के प्रयोजनार्थ कोटला–पुजारियॉ और कोटला नुम्हाल नामक गाँवों के समीप 43.1 बीघा जमीन महाविद्यालय के भवन निर्माण व परिसर हेतु अधिकृत की जा चुकी है। चयनित भूमि पर भवन निर्माण कार्य शीघ्र–अति–शीघ्र आरंभ करवाना महाविद्यालय की प्राथमिकता है।

महाविद्यालय का प्रथम सत्र 2017–18 में आरंभ हुआ। इस सत्र में सोलन, बिलासपुर और शिमला जिले से संबंधित 121 विद्यार्थियों ने कला और वाणिज्य संकाय में प्रवेश लिया। दूसरे सत्र 2018–2019 के अंतर्गत 187 विद्यार्थियों द्वारा प्रवेश लिया गया। महाविद्यालय के अधिकतर विद्यार्थी ग्रामीण परिवेश से संबंध रखते हैं और इनमे से तकरीबन 60 फीसदी संख्या छात्राओं की है। अतः ग्रामीण क्षेत्र, विशेषकर छात्राओं की शिक्षा के प्रयोजन से यह महाविद्यालय अपना विशेष महत्व रखता है। मूलभूत आवश्यकताओं के अभाव के बावजूद महाविद्यालय परिवार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य को सम्मुख रखकर, यथासंभव प्रयास कर रहा है।

बजट प्रावधान

सत्र 2018–19 के लिए शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालय से संबंधित विभिन्न खर्चों, वेतन, यात्रा भत्ता, कार्यालय व्यय आदि के लिए ₹89,08,905 के बजट का प्रावधान किया गया। महाविद्यालय द्वारा उपरोक्त खर्चों से संबंधित ₹75,14,306 व्यय किए गए।

शैक्षणिक सत्र / नामांकन

शैक्षणिक सत्र 2018–2019 का शुभारंभ 15 जून 2018 को हुआ। राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अभियान के तहत इस सत्र के लिए विद्यार्थियों के नामांकन की प्रकिया 15 से 30 जून के मध्य पूरी की गई, जिसमें कला और वाणिज्य संकाय के 187 विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में प्रवेश लिया। इस सत्र में रूसा में हुए परिवर्तन के तहत, जहाँ एक ओर वार्षिक प्रणाली के अंतर्गत प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया, वहीं दूसरी ओर सेमेस्टर प्रणाली के अंतर्गत तृतीय सत्र के

विद्यार्थियों का नामांकन हुआ। वर्तमान में प्रथम वर्ष और चतुर्थ सत्र के छात्र–छात्राऐं कला और वाणिज्य संकाय में अपनी स्नातक स्तर की पढ़ाई कर रहे हैं। जून– जुलाई 2018 में नामांकित विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है:

संकाय	प्रथम वर्ष		तृतीय सत्र		कुल जमा
	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	
कला	34	22	53	26	135
वाणिज्य	03	14	14	21	52
कुल जमा	37	36	67	47	187

वर्तमान में 169 विद्यार्थी महाविद्यालय में नामांकित है।

प्राचार्य, शिक्षक एवम् गैर शिक्षक वर्ग

महाविद्यालय में प्राचार्य, शिक्षक एवम् गैर शिक्षक वर्ग को मिलाकर कुल 18 पद स्वीकृत हैं। इनमें से लाइब्रेरियन के अलावा कोई भी पद वर्तमान में रिक्त नहीं है।

प्राचार्य डॉ० जनेश कपूर

शिक्षक वर्ग

डॉ० देवकान्त शर्मा (सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी)
डॉ० राकेश सिंह (सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र)
श्रीमती अंजु देवी (सहायक प्रोफेसर, इतिहास)
श्री संदीप कुमार (सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य)
सुश्री मनीला गुप्ता (सहायक प्रोफेसर, राजनीतिक शास्त्र)
श्रीमती पारूल बेरी (सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य)
श्री अरूण कुमार (सहायक प्रोफेसर, हिन्दी)

गैर–शिक्षक वर्ग

श्री ईश्वर दत्त शर्मा (अधीक्षक)
श्री मुकेश गांधी (वरिष्ठ सहायक)
श्री भगत राम (कनिष्ठ सहायक)
श्री सुरेन्द्र (कनिष्ठ कार्यालय सहायक)
श्री खेमचन्द (सेवादार)
श्री धर्मपाल (सेवादार)
श्रीमती मीरा देवी (सेवादार)
श्री दिनेश कुमार (सेवादार)
श्री खेमराज (सेवादार)

स्थानांतरण /कार्यभार/ नियुक्तियां

इस शैक्षणिक सत्र में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ0 राकेश शर्मा का स्थानांतरण राजकीय वल्लभ कॉलेज, मण्डी को हुआ तथा अर्थशास्त्र के सह–प्राध्यापक डॉ० हरबन्स लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय, जुखाला को स्थानांतरित हुए। डॉ० जनेश कपूर ने महाविद्यालय में प्राचार्य पद पर 12 मार्च 2019 को कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व डॉ० जनेश कपूर राजकीय महाविद्यालय हरिपुरधार सिरमौर हि०प्र० में प्राचार्य पद पर कार्यरत रहे। सहायक प्रोफेसर डॉ० राकेश सिंह ठाकुर राजकीय महाविद्यालय दिग्गल सोलन हि०प्र० से स्थानांतरित होकर इस महाविदयालय में आए। सहायक प्रोफेसर मनीला गुप्ता, सहायक प्रोफेसर पारूल बेरी और सहायक प्रोफेसर अरूण कुमार की नियुक्ति इसी शैक्षणिक सत्र में हुई।

उपलब्धियाँ

महाविद्यालय के अंग्रेजी विषय के प्राध्यापक डॉ० देवकान्त शर्मा को हि०प्र० विश्वविद्यालय के 24वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की उपस्थिति में राज्य के राज्यपाल आचार्य देवव्रत द्वारा विद्या वाचस्पति (पी०एच०डी०) की उपाधि प्रदान की गई।

अभिभावक–अध्यापक संघ

अभिभावक, छात्रों एवम् महाविद्यालय प्रशासन के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु दिनांक 11–08–2018 को अभिभावक–अध्यापक संघ का पुनर्गठन किया गया। जिसके अंतर्गत इस सत्र के लिए निम्नलिखित पदाधिकारी एवम् सदस्य चुने गए:

संरक्षक	प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय दाड़लाघाट
अध्यक्ष	श्रीमती कमलेश ठाकुर
उपाध्यक्ष	श्रीमती चेताली सहगल
सचिव	श्री संदीप कुमार
संयुक्त सचिव	श्री अमरनाथ
कोषाध्यक्ष	श्री श्याम गुलाटी
कार्यकारी सदस्य	सहायक प्रोफेसर डॉ० देवकान्त शर्मा
	सहायक प्रोफेसर श्रीमती अंजु देवी
	सहायक प्रोफेसर सुश्री मनीला गुप्ता
	~~सहायक प्रोफेसर श्रीमती अंजू देवी~~

अभिभावक

श्री नीम चन्द
श्री हरीष
श्री हेतराम
श्रीमती चंपा देवी

इस सत्र में अभिभावक–अध्यापक संघ के तहत ₹60,741 की राशि एकत्रित की गई। इस राशि को समय–समय पर विद्यार्थियों की मूलभूत आवश्यकताओं के प्रयोजनार्थ खर्च किया जा रहा है।

महाविद्यालय केन्द्रीय छात्र संघ

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रावधानों के अंतर्गत महाविद्यालय केन्द्रीय छात्र संघ का चयन परीक्षा परिणामों की मैरिट सूची के आधार पर किया गया और निम्नवत् पदाधिकारियों को 28.09.2018 को विधिवत् शपथ दिलाई गई।

अध्यक्ष सुनीता देवी

उपाध्यक्ष अनीता शर्मा

सचिव सरिता

सहसचिव प्रवीण शर्मा

अन्य पदों पर रेणुका, कविता, सुजाता, निशा देवी, श्रुति शर्मा और सपना कुमारी ने शपथ ग्रहण की।

गृह परीक्षाएँ

शैक्षणिक सत्र 2019–19 के अंतर्गत महाविद्यालय में RUSA प्रणाली के तहत तीसरे सत्र की मध्यावधि परीक्षाएँ सितम्बर माह के दूसरे सप्ताह में करवाई गई। वार्षिक प्रणाली के अंतर्गत प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों की गृह परीक्षाएं 15.12.2018 से 20.12.2018 के मध्य हुई। चौथे सत्र की उपरोक्त परीक्षाएँ 12.03.2019 से 16.03.2019 तक करवाई गई।

विकासात्मक / संस्थापक गतिविधियाँ

महाविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए इससे संबंधित प्रयास समय–समय पर करता आ रहा है। इन्ही गतिविधियों के तहत महाविद्यालय में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की दाड़लाघाट शाखा के सौजन्य / सहयोग से वाहर कूलर व एक्वागार्ड लगवाया गया। अभिभावक–अध्यापक संघ की अनुशंसा पर, मुख्यतः छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय परिसर में CCTV कैमरे लगवाए गए हैं।

पुस्तकालय

वर्तमान में महाविद्यालय में पुस्तकालय–अध्यक्ष का पद रिक्त चल रहा है। विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन हेतु उनके पाठ्यक्रम के साथ–साथ, अन्य विभिन्न विषयों से संबंधित 328 उपयोगी पुस्तकें अस्थाई पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।

अन्य गतिविधियाँ

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगींण विकास के उद्देश्य को सम्मुख रखकर समय–समय पर विविध प्रकार की शिक्षेतर गतिविधियाँ करवाई जा रही है। सत्र 2018–2019 में करवाई गई इस प्रकार की गतिविधियों का ब्यौरा इस प्रकार है:

- 11 जुलाई, 2018 का दिन महाविद्यालय में 'वनमहोत्सव दिवस' के रूप में मनाया। वन, परिवहन एवम् खेल मंत्री (हि०प्र० सरकार) श्री गोबिन्द ठाकुर ने इस उपलक्ष्य पर मुख्य–अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दिन महाविद्यालय के आसपास ग्राम पंचायत दाड़ला में देवदार के 100 पौधे रोपे गए।
- 5 सितम्बर, 2018 को महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। महाविद्यालय के तत्कालीन प्राचार्य डॉ० राकेश शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें राधाकृष्णन जैसे महान दार्शनिक, शिक्षाविद् तथा सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्तित्व के पद चिह्नों पर चलने के लिए प्रेरित किया।

- महाविद्यालय में 14 सितम्बर, 2018 को 'हिन्दी–दिवस' हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दिवस पर करवाई गई भाषण, कविता पाठ, निबंध लेखन और प्रश्नोतरी जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।
- भारतीय सैनिकों के महत्व को समझते हुए 29 सितम्बर, 2018 को महाविद्यालय में 'सर्जिकल स्ट्राइक दिवस' मनाया गया। इस उपलक्ष्य पर सेवानिवृत कप्तान श्री हीरालाल ठाकुर ने विशेषातिथि के रूप में शिरकत की। कप्तान श्री हीरालाल ठाकुर ने विद्यार्थियों को (29 सितम्बर, 2018 को) भारतीय सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।
- SCERT सोलन द्वारा प्रदेश भर के राजकीय महाविद्यालयों में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर 'राष्ट्रीय एकता एवम् साम्प्रदायिक सद्भाव' विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता हेतु विद्यार्थियों से लेख 28 सितम्बर, 2018 तक परिषद् में आमंत्रित किए गए थे। इस प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय की बी0ए0 प्रथम वर्ष की छात्रा भावना वर्मा द्वारा लिखे गए निबंध को प्रदेश भर में तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जो कि महाविद्यालय के लिए हर्ष का विषय है।
- 31–12–2018 को महाविद्यालय में 'नशा निवारण' विषय को लेकर 'पोस्टर मेकिंग' प्रतियोगिता आयोजित करवाई युवा वर्ग का नशे के, स्वास्थ्य पर पड़ने वाले कुप्रभाव संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही इस बुरी लत से बचने के लिए छात्रवर्ग को सचेत किया गया।
- शारीरिक शिक्षा व खेल, शिक्षा का एक अभिन्न अंग है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का शारीरिक व मानसिक विकास करना है। इसी उद्देश्य को लेकर 25 मार्च 2019 को महाविद्यालय द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दाड़लाघाट के खेल मैदान में एथलैटिक मीट का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने लंबी कूद, ऊँची कूद, 100, 200 व 400 मीटर की दौड़ जैसी स्पर्धाओं में बढ़–चढ़कर भाग लिया।

भविष्य की योजनाएँ

शिक्षार्थी का सर्वांगीण विकास शिक्षा का मूल उद्देश्य है। छात्रवर्ग के अकादमिक एवम् व्यक्तित्व विकास के लिए महाविद्यालय परिवार द्वारा यथासंभव प्रयास किए

जा रहे हैं और भविष्य में भी हम इस संबंध में प्रयासरत रहेंगें। महाविद्यालय स्थापना का कार्य आरंभिक चरण में चल रहा है एवम् वर्तमान में हमारी मुख्य समस्या मूलभूत संस्थागत सुविधाओं का अभाव है। महाविद्यालय परिसर के लिए चयनित भूमि पर भवन निर्माण कार्य शीघ्र अति शीघ्र आरंभ करवाने हेतु Master Plan बनाना और सरकार से बजट प्रावधान संबंधी आग्रह करना भविष्य की योजनाओं में प्राथमिक है।

विद्यार्थियों में सामुदायिक सेवा भाव उत्पन्न कर उनके व्यक्तित्व के बहुमुखी विकास के प्रयोजन से महाविद्यालय में 'राष्ट्रीय सेवा योजना' (NSS) की एक–एक इकाई को स्वीकृति प्रदान करवाने के लिए भी महाविद्यालय प्रशासन प्रयासरत है। 'अंतर महाविद्यालय युवा–महोत्सव' में छात्र वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करवाना भी भविष्य योजनाओं में शामिल किया गया है। भावी शैक्षणिक सत्र में, महाविद्यालय की वित्तीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इससे संबंधित प्रयास किए जाएंगे। विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विषयों से संबंधित विशेषज्ञों के व्याख्यान करवाने से संबंधित प्रयास भी भविष्य में किए जाएंगे ताकि छात्रवर्ग द्वारा पढ़े जा रहे विषय को बारिकी से समझने में उन्हें मदद मिल सके। छात्र–छात्राओं के सृजनात्मक विकास के लिए 'सृजन' नामक पत्रिका को अगले शैक्षणिक सत्र में प्रकाशित करवाना हमारा लक्ष्य है। इसके साथ–साथ क्षमता निर्माण और करियर कांउसलिंग जैसे यथासंभव प्रयास भी विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास को ध्यान में रखते हुए भविष्य में किए जाएंगे।

धन्यावाद ज्ञापन

समस्त महाविद्यालय परिवार, प्राध्यापक वर्ग, कर्मचारी वर्ग, केन्द्रीय छात्रसंघ, अभिभावक संघ, और सभी विद्यार्थियों की ओर से मुख्यातिथि महोदय श्री (प्रो0) रोशन लाल शर्मा जी एवम् सभी गणमान्य अतिथियों का आभार प्रकट करता हूँ जिन्होनें समस्त व्यस्तताओं के बावजूद अपना बहुमूल्य समय निकाल कर महाविद्यालय के प्रथम वार्षिकोत्सव में पधारकर हमारा उत्साहवर्धन किया।

अभिभावक–अध्यापक संघ की समस्त कार्यकारिणी का भी धन्यावाद करता हूँ जिन्होने महाविद्यालय के विकास कार्यों में सक्रिय सहयोग दिया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की दाडलाघाट शाखा द्वारा किए गए सहयोग के लिए शाखा के प्रबन्धक का भी आभार प्रकट करता हूँ। प्राध्यापक, कर्मचारी वर्ग, मीडिया बन्धु, केन्द्रीय छात्र संघ और सभी विद्यार्थियों का भी धन्यावाद करता हूँ। जिन्होनें आज के समारोह को सफल बनाया।

अन्ततः समस्त छात्र–छात्राएँ बधाई के पात्र हैं जिन्हें आज पुरस्कार प्रदान किए गए। मैं सभी के सुखद एवम् उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।
धन्यावाद।

लेखन एवम् टंकण
श्री अरूण कुमार
श्री सुरेन्द्र शर्मा

प्रस्तुतकर्ता
डॉ0 जनेश कपूर
प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय दाड़लाघाट